PAPERS LAID ON THE TABLE—

Economic Survey, 1983-84

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB KUMAR MUKHERJEE): Sir, With your permission, I lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the Economic Survey, 1983-84. [Placed in Library. See No. LT-7682/84].

REFERENCE TO THE DEPLORABLE CONDITION OF LEPERS IN JAIL

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now we shall take up Special Mentions. Shri Hukmdeo Narayan Yadav.

श्री रामेश्वर सिंह (उत्तर प्रदेश): मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है।

श्री उपसभापति : क्या प्वाइंट आफ आर्डर है आपका? मैं एक बात बता दूं कि अगर किसी रूल की अवहेलना की बात आप करेंगे तो मैं सुनूंगा और प्वाइंट आफ आर्डर के बहाने अगर आप को नयी बात कहना चाहेंगे तो मैं उस की इजाजत हरगिज नहीं दूंगा। रूल यह है। इस लिये अब आप कृपा कर बतायें कि क्या रूल ब्रीच हुआ है?

श्री रामेश्वर सिंह : रूल मैं बता रहा हूं। मैं सदन का एक सदस्य हूं ...

श्री उपसभापति : आप को ही नहीं पता है, बाकी सब लोग जानते हैं। आप अपनी बात कहिये।

श्री रामेश्वर सिंह : मेरी जान पर खतरा है ...

श्री उपसभापति : कहां जान पर खतरा है। व्यर्थ की बात मत करिये।

श्री रामेश्वर सिंह : मैंने लिखकर भी दिया है।

श्री उपसभापति : लिख कर दिया है?

श्री रामेश्वर सिंह : जी हां, दिया है।

श्री उपसभापति : रामेश्वर सिंह जी ने लिख कर नहीं दिया है कि आपकी जान को खतरा है। ... (**व्यवधान**)

श्री रामेश्वर सिंह : आपकी सरकार ने गांधी जी के बारे में भी यही कहा था कि उनको खतरा नहीं है। जिस दिन मार दिया जाऊंगा तब कहेंगे। ...आपको इन चीजों को हल्के ढंग से नहीं लेना चाहिए। आप सुन लीजिए।

श्री उपसभापति : यह कोई प्वाइंट आफ आर्डर नहीं है, कैसे सुनें?

SHRI A. G. KULKARNI (Maharashtra): He says that somebody has threatened him with a bullet. That is what he is explaining. Please try to listen.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Whom has he said this?

श्री रामेश्वर सिंह : गोली मारने की कोशिश की गई .... (**व्यवधान**)

श्री उपसभापति : सदन कई दिन से बैठ रहा है, आप लिखकर दे देते। .. (**व्यवधान**)

श्री रामेश्वर सिंह : मैंने लिख कर दिया है, आप बताइये, सेक्रेटरी जनरल को मैंने दिया है। आपके हाथ में है, आप उसको पढ़ लें।

श्री उपसभापति : रामेश्वर सिंह जी, आप समय बरबाद कर रहे हैं। आपने इसमें कहीं नहीं लिखा है कि आपकी जान को खतरा है। पहले लिख कर तो दीजिए, फिर मैं इजाजत दे दूंगा। .. (**व्यवधान**)

श्री रामेश्वर सिंह : मैं पढ़ देता हूं, आप देखिए। ... (**व्यवधान**)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No. I go to special mentions.